तरंग

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भेल भोपाल का मासिक ई - न्यूजलेटर

tarangnews2024@gmail.com | माह-अगस्त 2025 | अंक - 26 वां

सुविचार

आत्मविश्वास और कड़ी मेहनत, असफलता नामक बीमारी को मारने के लिये सबसे बढ़िया दवाई है ।

आवश्यक सूचना

समस्त नियमित विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि महाविद्यालय परिसर में निधारित यूनिफॉर्म पहनकर उपस्थित होना सुनिश्चित करें ।

शर्ट- स्काई ब्लू
पेंट – नेवी ब्लू

01 अगस्त 2025 से निर्धारित यूनिफॉर्म के बिना प्रवेश निषेध रहेगा ।

प्राचार्य

कुर्ती / शर्ट – स्काई ब्लू
सलवार / पेंट - नेवी ब्लू

समस्त नियमित विद्यार्थियों को महाविद्यालय से प्रदाय अधिकृत परिचय पत्र साथ में रखना अनिवार्य है ।

मोबाइल पर मिलेंगी जानकारियाँ

जुड़िए हमारे NEWS Letter

TARANG SE

तरंग से

शैक्षणिक स्टॉफ के महाविद्यालय में उपस्थित रहने की समय सारिणी

क्र.	नाम	पदनाम	आने का समय	जाने का समय
1.	डॉ. राजकुमार शर्मा	प्राध्यापक, वाणिज्य	11:00 am	05:00 pm
2.	डॉ. ए. के. महागाये	सह प्राध्यापक, वाणिज्य	11:00 am	05:00 pm
3.	डॉ. संजय बाणकर	सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य	10:30 am	05:10 pm
4.	डॉ. दीक्षा बरडे	सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य	10:45 am	05:25 pm
5.	श्रीमती चित्रा खरे	सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य	10:50 am	05:30 pm
6.	डॉ. अनुपमा यादव	प्राध्यापक, राजनीतिशास्त्र	10:50 am	05:30 pm
7.	डॉ. सीमा श्रीवास्तव	प्राध्यापक, अर्थशास्त्र	11:00 am	05:40 pm
8.	डॉ. समता जैन	प्राध्यापक, अर्थशास्त्र	11:00 am	05:40 pm
9.	डॉ. समर बहादुर सिंह	प्राध्यापक अर्थशास्त्र	10:30 am	04:30 pm
10.	श्रीमती प्रतिभा डेहरिया	सहायक प्राध्यापक, अर्थशास्त्र	11:00 am	05:40 pm
11.	डॉ. सुषमा जादौन	प्राध्यापक, हिन्दी	10:30 am	04:30 pm
12.	डॉ. कमलेश सिंह नेगी	सहायक प्राध्यापक, हिन्दी	11:00 am	05:00 pm
13.	डॉ. इलारानी श्रीवास्तव	सह प्राध्यापक, अंग्रेजी	11:00 am	05:40 pm
14.	श्रीमती शालिनी तिवारी	सहायक प्राध्यापक, अंग्रेजी	10:30 am	05:00 pm
15.	डॉ. अर्चना जैन	सह प्राध्यापक, गणित	10:45 am	05:20 pm
16.	डॉ. वर्षा चौहान	सहायक प्राध्यापक, गणित	10:30 am	05:00 pm
17.	डॉ. उमेश कुमार साकल्ले	प्राध्यापक, भौतिकशास्त्र	11:30 am	05:30 pm
18.	श्रीमती प्रीति जौहरी	सहायक प्राध्यापक, भौतिकशास्त्र	11:00 am	05:30 pm
19.	डॉ. अंजना अग्रवाल	प्राध्यापक, रसायनशास्त्र	10:45 am	05:30 pm
20.	डॉ. नवीन कुमार मालवीय	सहायक प्राध्यापक, रसायनशास्त्र	10:50 am	05:20 pm
21.	डॉ. अर्चना गौर	प्राध्यापक, समाजशास्त्र	11:00 am	05:00 pm
22.	डॉ. अर्चना शर्मा	सह प्राध्यापक, समाजशास्त्र	10:30 am	04:30 pm
23.	डॉ. गीता चौहान	सहायक प्राध्यापक, समाजशास्त्र	10:45 am	04:45 pm
24.	डॉ. अनुराधा दुबे	प्राध्यापक, वनस्पतिशास्त्र	10:30 am	04:30 pm
25.	डॉ. शीला कुमार	सहायक प्राध्यापक, वनस्पतिशास्त्र	11:30 am	05:30 pm
26.	डॉ. चारूलता राठौड़	प्राध्यापक, प्राणीशास्त्र	11:00 am	05:00 pm
27.	डॉ. कीर्ति श्रीवास्तव	प्राध्यापक, प्राणीशास्त्र	11:00 am	05:30 pm
28.	डॉ. मीता बादल	सहायक प्राध्यापक, सीएनडी	11:30 am	05:30 pm
29.	डॉ. प्रकाश नारायण राज	ग्रंथपाल	11:00 am	05:00 pm
30.	डॉ. निर्मला शुक्ला	अतिथि विद्वान	11:00 am	05:30 pm

इस अंक के आकर्षण

- दीक्षारंभ समारोह
- "उच्च शिक्षा में चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व के समग्र विकास" विषय पर आयोजित संगोष्ठी
- गुरू पूर्णिमा का आयोजन
- " नशे से दूरी है जरूरी " अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन
- "राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 अवसर एवं चुनौतियाँ" विषय पर आयोजित संगोष्ठी
- राष्ट्रीय कार्यशाला का सीधा प्रसारण
- 'व्यास पूजा' कार्यक्रम का आयोजन
- 'विजय दिवस' की स्मृति में एक प्रेरणास्पद कार्यक्रम
- 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधारोपण
- प्रेमचंद जयंती

दीक्षारंभ समारोह का आयोजन

01- 03/07/2025 कार्यालय आयुक्त उच्चशिक्षा विभाग, सतपुड़ा भवन के आदेश क्रमांक- 1835/आउशि शा. भोपाल दिनांक- 27/06/2025 के परिपालन में बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल (म.प्र.) में तीन दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम प्राचार्य डॉ. संजय कुमार जैन ने सभी नवागत विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उनके आने वाले भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी एवं महाविद्यालय में उपलब्ध आधार व्यवस्थाओ की जानकारी दी। दिनांक- 01 जुलाई 2025 को कार्यक्रम की संयोजक डॉ. चारूलता राठौड़ द्वारा नवागत विद्यार्थियों का स्वागत किया गया। प्रशासनिक अधिकारी डॉ. अंजना अग्रवाल ने महाविद्यालय में लागू ड्रेस कोड और परिचय पत्र की आवश्यकता के बारे में बताया। वाणिज्य, कला एवं विज्ञान के नव प्रवेशित विद्यार्थियों ने अपना परिचय दिया एवं अपनी-अपनी रूचि के बारे में जानकारी दीं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 विषय पर चर्चा कर विद्यार्थियों को जानकारी दी गई। महाविद्यालय में इस सत्र से प्रारंभ एईडीपी पाठ्यक्रम बी.ए. इन टूरिज्म एंड हॉस्पिलिटी ऑपरेशन्स की जानकारी दी। विद्यार्थियों को बताया गया कि इस पाठ्यक्रम में तृतीय वर्ष में न्यूनतम 8000/- रू प्रतिमाह स्टाइपेंड का प्रावधान है।

दिनांक- 02 जुलाई 2025 को क्रीड़ा विभाग की प्रभारी प्रो. शालिनी तिवारी ने महाविद्यालय में होने वाले विभिन्न खेलो जैसे- क्रिकेट, बॉलीवाल, शतरंज, बैडमिंटन आदि की महत्तवपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने प्रत्येक विद्यार्थी के लिये खेल की आवश्यकता पर बल दिया। एन.सी.सी. प्रभारी डॉ. वर्षा चौहान ने महाविद्यालय में एन.सी.सी. के अंतर्गत थल सेना विंग की जानकारी दी एवं एन.सी.सी. की प्रवेश प्रक्रिया के बारे में बताया।

विज्ञान कला हिन्दी, अंग्रेजी एवं वाणिज्य और समाजशास्त्र के विभागाध्यक्षों ने अपने-अपने विषय और प्रश्नपत्रों के बारे में विस्तार से बताया। डॉ. चारूलता राठौड़ ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए इन्टर्नशिप के बारे में विस्तृत जानकारी दी। डॉ. शीला कुमार ने मेजर, माइनर विषय के बारे में बताया। हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. सुषमा जादौन ने विभाग की साहित्यिक गतिविधियाँ, ई-न्यूजलेटर 'तरंग' के बारे में बताया। उन्होनें भाषा और साहित्य के प्रश्नपत्रों की संक्षिप्त जानकारी विद्यार्थियों को दी। डॉ. दीक्षा बर्डे ने छात्रवृत्ति की जानकारी देते हुए कहा कि एस.सी. एस.टी., ओबीसी छात्रवृत्ति के आवेदन कब और किस पोर्टल पर ऑनलाइन भरे जाएँगे, इसकी सूचना आपको महाविद्यालय के डिजीटल बोर्ड और ऑनलाइन वाट्सएप ग्रुप पर दी जाएगी।

विज्ञान संकाय के प्राध्यापकों द्वारा सभी विद्यार्थियों को लैब का भ्रमण करवाया गया एवं महाविद्यालय में कम्प्यूटर लैब, स्मार्टक्लास और उपलब्ध डिजिटल संसाधनों का अवलोकन करवाया गया।

सभी संकायों के विभागाध्यक्षों द्वारा अपने-अपने विषय एवं प्रश्नपत्रों एवं सतत मूल्यांकन प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी। "उच्चशिक्षा में चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व का समग्र विकास" विषय पर शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास मध्यभारत प्रांत संयोजक डॉ. भरत व्यास के ओजस्वी व्याख्यान से नवागत विद्यार्थी लाभान्वित हुए। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में विकसित किए जा रहे विद्यावन में पौधरोपण भी किया गया।

दिनांक- 03/07/2025 को दीक्षारंभ समारोह में सर्वप्रथम नवागत विद्यार्थियों का परिचय प्रस्तुति कार्यक्रम हुआ। डॉ. इलारानी श्रीवास्तव, सह प्राध्यापक अंग्रजी द्वारा 'संवेदीकरण एवं जागरूकता कार्यक्रम' के अन्तर्गत महिलाओं के यौन उत्पीड़न रोकथाम, निषेध और निवारण विषय पर एक उपयोगी व्याख्यान दिया गया। तीनों संकाय के नवागत विद्यार्थियों ने अपने प्रश्नों के माध्यम से इस कार्यक्रम में सहभागिता की। वाणिज्य के प्राध्यापक डॉ. ए.के. महागाये द्वारा सूचना का अधिकार अधिनियम तथा लोकसेवा गांरटी अधिनियम के बारे में रोचक और सरल तरीके से जानकारी दी गयी। स्वास्थ्य और कल्याण अभिविन्यास विद्यार्थी सहायता सेवाएँ समिति का परिचय, सामाजिक उत्तरदायित्व के बारे में डॉ. मीता बादल ने नवागत विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया, साथ ही पोषण एवं आहार विषय के महत्व और भविष्य में रोजगार की संभावनाओं पर प्रभावी चर्चा की। पूर्व छात्रों से परिचर्चा अनुसंधान अवसरों का परिचय विषय पर डॉ. सीमा श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया गया। प्रो. डॉ.समता जैन ने भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ के बारे में बताया। विद्यार्थियों द्वारा टेलेंटहंट प्रतिभा प्रस्तुति दी गयी, समारोह में एम.एस.सी. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा अंतिमा अहिरवार ने संवेदीकरण एवं जागरूकता कार्यक्रम में हुई चर्चा के लिए धन्यवाद दिया एवं अपने मौलिक विचार व्यक्त किए। अन्य छात्राओं ने भी कविता, लघु कहानी और विचार प्रस्तुति के माध्यम से अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. गीता चौहान ने महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत एक पुरूष इकाई एवं एक महिला इकाई प्रभावी है एवं इसके अंतर्गत होने वाली विभिन्न गतिविधियों एवं कैंप के बारे में विस्तृत जानकारी दी। अंत में कार्यक्रम संयोजक डॉ. चारूलता राठौड़ द्वारा सभी शिक्षकों को धन्यवाद दिया गया, उन्होंनें सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाँ दी, इस प्रकार दिनांक- 01 से 03 जुलाई 2025 तीन दिवसीय दीक्षारंभ समारोह का सफलतापूर्ण समापन हुआ।

"भारतीय दृष्टिकोण सदैव से विश्वकल्याण का रहा है। हमें समस्याओं पर चिंता करने की जगह, समाधान पर विचार करना चाहिए। कहो वही, जो कर सको"- डॉ. भरत व्यास

02/07/2025 बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महविद्यालय भेल भोपाल में शिक्षा, संस्कृति उत्थान न्यास की स्थापना दिवस अवसर **"उच्च शिक्षा में चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व के समग्र विकास"** विषय पर आयोजित संगोष्ठी मे मुख्य वक्ता के रूप न्यास के प्रांत संयोजक डॉ. भरत व्यास, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी माननीय मंत्री उच्च शिक्षा ने कहा कि भारतीय दृष्टिकोण सदैव से विश्व कल्याण और वसुधैव कुटुम्बकम का रहा है। हमें समस्याओं से चिंतित होने की जगह समाधान पर विचार करना चाहिए। 'पर्सनालिटी' और 'व्यक्तित्व' दोनो के भावार्थ मे बहुत अंतर है। हमें एकाग्रता, मनोयोग, समर्पण, लगन और विवेक से अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। कहो वही, जो कर सको, अध्यात्मिक चेतना हमें दृढ बनाती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 के निर्माण में शिक्षा, संस्कृति उत्थान न्यास की अहम भूमिका रही है। संगोष्ठी के प्रारंभ में प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने मुख्य वक्ता डॉ. भरत व्यास का शॉल, श्रीफल और पौधा-गमला से स्वागत करते हुए अपने उदबोधन में कहा कि राष्ट्रीय महत्व के विषय पर आयोजित यह संगोष्ठी दीक्षारंभ के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्पद रहेगी। संचालन डॉ. वर्षा चौहान ने किया तथा आभार प्रो. प्रीति जौहरी ने व्यक्त किया । महाविद्यालय परिसर में विकसित किए जा रहे विद्यावन में न्यास की स्थापना दिवस की स्मृति स्वरुप वृक्षारोपण भी किया गया। इस अवसर पर न्यास के पदाधिकारी प्रांत सह संयोजक डॉ. अभय गुप्ता, विभाग संयोजक डॉ. अनित राय, जिला संयोजक डॉ. अमित ओझा, जिला सहसंयोजक एड. त्रिवेश गोस्वामी, महिला कार्य प्रमुख एड. निवेदिता पाण्डेय, श्रीमती शिखा चौहान और श्री अनित राय विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी उच्च शिक्षा मंत्रालय सहित महाविद्यालय का स्टाफ और नवागत छात्र-छात्राएं भी उपस्थित रहीं ।

"मनुष्य जीवन मे गुरू महिमा" विषय पर व्याख्यान का आयोजन

10/07/2025 गुरुपूर्णिमा के अवसर पर "मनुष्य जीवन मे गुरू महिमा" विषय पर प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय चंद्रशेखर आजाद स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीहोर के प्राचार्य डॉ. रोहताश्व शर्मा ने मुख्य वक्ता के रुप में कहा कि मनुष्य का सबसे पहला गुरू माँ होती है, वह जीवन भर हमें देती रहती हैं, इनके समर्पण भाव को अंगीकार करना चाहिए। संसार मे मनुष्य से श्रेष्ठ कोई प्राणी नहीं है। जैसा हम सोचते हैं वैसे ही बन जाते हैं इसलिए सदैव हमे गुरू की आवश्यकता रहती है। महर्षि व्यास का जन्मदिन गुरुपूर्णिमा के रुप में मनाया जाता हैं, उनके पुराण में भारतीय चरित्र को आत्मसात किया है, जो भारत मे होता है, वो महाभारत में है। सही समय पर सही निर्णय लेने मे भी गुरू मार्गदर्शन की आवश्यकता होती हो । गुरू का सानिध्य पारसमणि के रूप में होता है। अपने गुरू से हमेशा अपना शिष्य धर्म निभाना चाहिए, वहीं से हमारे कल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है। आपने दधीचि, तुलसीदास, अहिल्याबाई, सिकंदर, टालस्टाय, सुकरात, तात्याटोपे, विवेकानंद, भगतसिंह, लतामंगेशकर जैसे- व्यक्तित्वों के माध्यम से गुरू महिमा पर प्रकाश डाला। समारोह के प्रारंभ में प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने शॉल, श्रीफल और पुष्पगुच्छ से मुख्यवक्ता एवं अतिथि डॉ. रोहताश्व शर्मा का स्वागत करते हुए अपने उदबोधन में कहा कि गुरू हमेशा सभी के लिये समभाव से ज्ञान देता है, लेकिन सच्चे शिष्य को सफलता शीघ्र मिलती है। रमाकांत तिवारी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा भगवान राम भी विपरीत परिस्थियों मे अपने गुरू विश्वामित्र का स्मरण कर निर्णय लेते थे और सफलता पाते थे, सीता स्वयंवर इसका साक्षात उदाहरण है। इस अवसर पर उपस्थित समस्त गुरूजनो का सम्मान किया गया। कार्यक्रम संचालन भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ संयोजक डॉ. समता जैन ने तथा आभार श्रीया विश्वकर्मा ने व्यक्त किया। कार्यक्रम डॉ. शीला कुमार के संयोजन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में पूर्वछात्र तेजसिंह ठाकुर, करतार सिंह नागर, मंजू यादव सहित रितिका ठाकुर, खुशी नागर, तनिष्का तथा छात्र-छात्राएँ और समस्त शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक स्टॉफ उपस्थित रहा ।

“ नशे से दूरी है जरूरी ” अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन

17/05/2025 “नशे से दूरी है जरूरी” अभियान के अंतर्गत, कार्यालय थाना प्रभारी थाना गोविन्दपुरा जिला भोपाल द्वारा कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय जैन के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता गोविन्दपुरा थाना प्रभारी रूपा मिश्रा ने विद्यार्थियों को बताया कि यह कार्यक्रम मध्यप्रदेश पुलिस की ओर से चलाया जाने वाला नशा मुक्ति अभियान है। वर्तमान में अधिकांश युवा वर्ग इसके आदी होते जा रहे है। इसके दुष्परिणाम से वे अपना स्वास्थ्य, आर्थिक, सामाजिक स्थिति दयनीय करते जा रहे हैं। कार्यक्रम में बचपन संस्था की निहारिका ने अपने वक्तव्य में कहा कि इसके प्रभाव से हमारा मानसिक स्वास्थ्य खराब होता है। उन्होंने चाइल्ड प्रोटेक्शन एक्ट के बारे में भी विद्यार्थियों को बताया। कार्यक्रम में बी.ए. द्वितीय वर्ष की छात्रा रितिका ठाकुर ने अपने अनुभव साझा किये। वक्ता द्वारा पूछे जाने पर उपस्थित छात्र-छात्राओं ने नशे के कई प्रकार बताए। सृजन संस्था से जुड़े आदित्य ने नशे से संबंधित अपने अनुभव व्यक्त किये। उन्होंने बताया कि इसने प्रभाव से शारीरिक, मानसिक प्रभाव एवं हिंसक, छेड़छाड़ इत्यादि नशे की हालत में अनैतिक व्यवहार करने लगते है। कार्यक्रम में हेड कास्टेबल नीता, कास्टेबल बबीता, प्रियंका एवं महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, विद्यार्थी कार्यक्रम में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. वर्षा चौहान द्वारा किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. समता जैन, डॉ. गीता चौहान एवं एनसीसी के सहयोग से आयोजित किया गया।

एक दिवसीय राज्य स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन

19/07/2025 शासकीय महाविद्यालय शिक्षक संघ, मध्यप्रदेश द्वारा बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल में एक दिवसीय राज्य स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन, “राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 अवसर एवं चुनौतियाँ” विषय पर आज दिनांक-19/07/2025 को संपन्न हुआ।

उद्घाटन सत्र श्री बारेलाल जी अहिरवार, अध्यक्ष जनभागीदारी समिति के मुख्य आतिथ्य में एवं डॉ. दीपकराज तिवारी, कुलगुरू आर्यव्रत विश्वविद्यालय, डॉ. आर.एस. रघुवंशी, प्रांताध्यक्ष, शासकीय महाविद्यालय शिक्षक संघ, मध्यप्रदेश की अध्यक्षता में तथा डॉ. संजय जैन, प्राचार्य की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। श्री बारेलाल अहिरवार जी ने विचार व्यक्त करते हुए कहा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 मोदी जी की अभिनव पहल है। उक्त अवसर पर श्री रमाकांत तिवारी ने आरंभ में विचार व्यक्त किये। डॉ. आर.एस. रघुवंशी ने संबोधित करते हुए बताया कि संघ की इस अभिनव पहल का परिणाम है कि वर्तमान संगोष्ठी में पूरे प्रदेश से 50 शोधपत्र प्राप्त हुए तथा 250 सदस्यों द्वारा पंजीयन करवाया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति विद्यार्थी के समग्र विकास के लिए शिक्षकों को समर्पण भाव से काम करना होगा। संगोष्ठी में बीज वक्तव्य डॉ. बद्रीलाल गुप्ता, प्राध्यापक मैनेजमेंट NITTTR ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति विद्यार्थियों के जीवन के सभी पक्षों का विकास करने में सहायक है। उन्होनें उद्देश्यपूर्ण पाठ्यपुस्तके लेखन के पक्ष में तर्क प्रस्तुत किये तथा विद्यार्थियों को विज्ञान, गणित, कलाशिल्प, मानवीकीय खेल एवं फिटनेस, भाषा एवं साहित्य, भारतीय सनातन संस्कृति और मूल्य को शिक्षा में समावेशित करने पर बल दिया गया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के समक्ष कुछ चुनौतियाँ भी है। जैसे- बजट की कमी, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के पहुँच में असमानता, शिक्षक प्रशिक्षण की समस्या, बहु विषयक शिक्षा की समस्याएँ आदि मुख्य है। हमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अवसरों पर लाभ उठाना चाहिये।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. संतोष भदौरिया, महासचिव, शासकीय महाविद्यालय शिक्षक संघ, मध्यप्रदेश द्वारा किया गया। उन्होनें कहा- राष्ट्रीय शिक्षा नीति प्राचीन और सनातन भारतीय ज्ञान और विचार की समृध्द परंपरा के आलोक में यह नीति तैयार की गई है। ज्ञान, प्रज्ञा और सत्य की खोज को भारतीय ज्ञान परंपरा एवं दर्शन में सदा सर्वोच्च मानवीय लक्ष्य रहा है, जिसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शामिल किया गया है।

प्रथम तकनीकी सत्र में डॉ. सुषमा दुराफे, डॉ. जागृति गुप्ता, डॉ. प्रियांशु गुप्ता द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर शोधपत्र प्रस्तुत किया गया। द्वितीय तकनीकी सत्र में डॉ. साधना कुमारी, सुश्री पूर्णिमा अहिरवार, डॉ. लालचंद राजपूत, डॉ. बी.के. चौरसिया, डॉ. अलका प्रधान आदि ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किये।

समापन समारोह की मुख्य अतिथि डॉ. गीता मोदी, प्राचार्य, मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय भोपाल ने सभी को प्रमाणपत्र प्रदान करते हुए कहा कि इस उद्देश्यपूर्ण आयोजन का उच्चशिक्षा में सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। विशिष्ट अतिथि के रूप में शासकीय महाविद्यालय सिरोंज के प्राचार्य डॉ. लालचंद राजपूत कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

तकनीकी सत्र एवं समापन समारोह के कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन डॉ. दीक्षा बरडे (संगोष्ठी संयोजक) एवं डॉ. वर्षा चौहान तथा डॉ. कीर्ति श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय कार्यशाला का सीधा प्रसारण

23/07/2025 कार्यालय आयुक्त उच्च शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश शासन भोपाल के पत्र क्रं. 2697/837/आउशि/शा-5 'अ'/2025, भोपाल, दिनांक-22/07/2025 के परिपालन में दिनांक-23/07/2025 को महाविद्यालय में 'विकसित मध्यप्रदेश @ 2047 अंतर्गत रोजगार आधारित शिक्षा: रूझान एवं नए अवसर' पर महाविद्यालय में माननीय मुख्यमंत्री जी. म.प्र. शासन के मुख्य आतिथ्य में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला के शुभारंभ कार्यक्रम का सीधा प्रसारण की व्यवस्था आईक्यूएसी के द्वारा की गई ।

डॉ. सच्चिदानंद जोशी, डॉ. अनुपम राजन, डॉ. जे.सी. पांडे ने इस कार्यशाला में अपने विचार रखे। कार्यक्रम महामहिम राज्यपाल मंगूभाई जी पटेल, माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन जी यादव, माननीय उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह जी परमार की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस कार्यशाला में नई शिक्षा - नीति, राष्ट्रीय दृष्टि से नई चुनौतियों पर मंथन किया गया तथा कृत्रिम बुध्दिमत्ता AI के सकारात्मक उपयोग पर सार्थक चर्चा की गई।

उच्चशिक्षा मंत्री माननीय इन्दर सिंह परमार जी ने कहा कि 'रोजगारोन्मुखी शिक्षा' मध्यप्रदेश के लिए एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण विषय है। भारतीय संस्कृति में संस्कार के रूप में रोजगार जुड़ा हुआ है। संवेदनशील और निष्ठावान नागरिक बनाना हमारी शिक्षा का उद्देश्य है। 'हर व्यक्ति का उत्तरदायित्व निश्चित करना' एक आवश्यक कदम है, जो मध्यप्रदेश शासन ने उठाया है।
माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी ने कहा कि बीज जैसे बोए जाते हैं, फसल भी वैसी ही होती है। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने बीज रूप में विचार स्थापित किए हैं। निश्चय ही परिणाम उत्साहवर्धक होगा। नई शिक्षा नीति-2020 में संस्कार, विचार, रोजगार और जड़ों से जुड़ने का सामर्थ्य है। उन्होंने ऐतिहासिक संदर्भ और वर्तमान परिप्रेक्ष्य में शिक्षानीति की चर्चा की ।

महामहिम माननीय राज्यपाल जी ने कहा कि रोजगार आधारित शिक्षा कार्यशाला का आयोजन बहुत उपयोगी है। उन्होंने उच्चशिक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री को इस आयोजन के लिए साधुवाद दिया।
सीधे प्रसारण कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त स्टॉफ एवं विद्यार्थियों ने सहभागिता की एवं रूचिपूर्वक कार्यक्रम प्रसारण को देखा एवं सुना ।

महाविद्यालय में किया गया 'व्यास पूजा' कार्यक्रम का आयोजन

24/07/2025 महाविद्यालय में दिनांक- 24 जुलाई 2025 को भारतीय शिक्षा मण्डल मध्य भारत प्रांत भोपाल और बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल के संयुक्त तत्वावधान मे 'व्यास पूजा' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विदुषी आरती जोशी, माखन लाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय भोपाल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित हुईं । सर्वप्रथम मुख्य वक्ता ने सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित किया। इस कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. संजय जैन, डॉ. अर्चना जैन, डॉ. सुषमा जादौन, डॉ. मीता बादल, डॉ. नवीन कुमार मालवीय आदि उपस्थित रहे । भारतीय परंपरा के अनुरूप मेहमान का स्वागत नव पल्लवित पौधे से किया गया । मुख्यवक्ता आरती जोशी ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा का स्मरण और सम्मान आज के विद्यार्थियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारतीय ज्ञान परंपरा में गुरुकुल, गुरु और आत्मीय शिक्षक का विशेष महत्व रहा है। अब भारत को पुनः इस ज्ञान परंपरा की आवश्यकता है। शिक्षक का सम्मान उसके द्वारा दिए गए ज्ञान की तुलना नहीं की जा सकती। आप ने एस्ट्रोलॉजी, नक्षत्र, राशि, इन सारी बातों के साथ गुरुत्वाकर्षण और हमारी प्राचीन संस्कृति-किस प्रकार हमारी धरोहर है, सबके बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। सभागार में उपस्थित प्राध्यापक डॉ. इलारानी श्रीवास्तव, श्रीमती शालिनी तिवारी और अन्य ने भी प्रश्नोत्तर कर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने भारतीय ज्ञान परंपरा का महत्व, संस्कृति और वैदिक गणित इन सारे मुद्दों पर प्रकाश डालते हुए व्यास पूजा का महत्व बताया । भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के सदस्य डॉ. मीता बादल, डॉ. अर्चना जैन, डॉ. सुषमा जादौन और डॉ. उमेश कुमार साकल्ले, डॉ. नवीन कुमार मालवीय, डॉ. संजय बाणकर, डॉ. अंजना अग्रवाल, डॉ. कीर्ति श्रीवास्तव, डॉ. अनुराधा दुबे एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल संचालन भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ की प्रभारी डॉ. समता जैन ने किया। उन्होंने अतिथि मुख्यवक्ता आरती जी को आत्मीय धन्यवाद दिया तथा सभी श्रोताओं की ओर से उनका हृदय से आभार व्यक्त किया ।

'विजय दिवस' की स्मृति में एक प्रेरणास्पद कार्यक्रम

25/07/2025, वर्ष-1999 में भारत द्वारा कारगिल युध्द में प्राप्त ऐतिहासिक विजय की याद में बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल की एनसीसी इकाई द्वारा 26 जुलाई 2025 को विजय दिवस की स्मृति में एक प्रेरणास्पद कार्यक्रम का आयोजन किया गया । प्राचार्य डॉ. संजय जैन एवं एनसीसी अधिकारी डॉ. वर्षा चौहान के मार्गदर्शन में वृक्षारोपण, कविता पाठ, भाषण एवं देशभक्ति गीतों के माध्यम से कारगिल के शूरवीरों को श्रृध्दांजलि अर्पित की । कार्यक्रम की शुरूआत शहीद जवानों को पुष्पांजलि अर्पित कर की गई । इसके पश्चात कैडेट मुकेश अहिरवार द्वारा कविता पाठ एवं कैडेट वैशाली तिवारी द्वारा भाषण दिया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में प्रकृति एवं राष्ट्र की सेवा का संकल्प लें एनसीसी कैडेटस एवं प्राध्यापकों द्वारा **'एक पेड़ शहीदों के नाम'** के अंतर्गत वृक्षारोपण किया गया । कार्यक्रम का संचालन कैडेट मुकेश अहिरवार एवं रितिका ठाकुर के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारी, छात्र-छात्राएँ एवं एनसीसी कैडेट्स की सक्रिय भागीदारी रही। आभार अंडर ऑफिसर ए. करण के द्वारा व्यक्त किया गया । कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान और जय हिन्द के उद्घोष के साथ किया किया ।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय में किया गया पौधरोपण

25/07/2025 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय जैन के निर्देशन में एवं इको क्लब के तत्वावधान में विद्यावन और महाविद्यालय परिसर में फलदार पेड़ों का पौधारोपण किया गया। जिसमें आम ,जामुन ,अमरुद नींबू , मीठी नीम, करौंदे के पौधे रोपित किए गए। इस अवसर पर वनस्पति शास्त्र विभाग की प्रोफेसर एवं इको क्लब की प्रभारी डॉ. शीला कुमार ने कहा कि पौधारोपण न केवल पर्यावरण को संरक्षित करने में मदद करेगा बल्कि यह सामुदायिक सहयोग और जागरूकता को भी बढ़ावा देगा । एक पौधा मां के नाम एक प्रतीकात्मक क्रिया है । जो सामाजिक जिम्मेदारी को दर्शाती है। इस अवसर सभी प्रोफेसर डॉ. अंजना अग्रवाल, डॉ. अनुराधा दुबे, डॉ. अर्चना गौर, डॉ.मीता बादल, श्रीमती प्रतिभा डेहरिया, डॉ. अर्चना जैन एवं एनसीसी प्रभारी डॉ. वर्षा चौहान, एनएसएस प्रभारी डॉ. समता जैन, डॉ. गीता चौहान ने अपनी कैडेट के साथ बड़ी संख्या में उपस्थित होकर महाविद्यालय में पौधारोपण किया ।

महाविद्यालय में मनायी गयी प्रेमचंद जयंती

31/07/2025 "मुंशी प्रेमचंद का कथा साहित्य आज भी प्रासंगिक है।" "मुंशी प्रेमचंद हिन्दी साहित्य के ऐसे कथाकार हैं, जिन्होंने अपनी सरल भाषा शैली, जीवन से जुड़ी कहानियाँ और पाठकीय संवेदना को जीते हुए साहित्य-रचना की। इसलिए वे आज भी प्रासंगिक है।" यह बात भोपाल के प्रसिद्ध साहित्यकार श्री घनश्याम मैथिल अमृत' ने बाबूलाल गौर शास. महाविद्यालय भेल कॉलेज में कही। कार्यक्रम था मुंशी प्रेमचंद जयंती पर आयोजित संगोष्ठी का। 31 जुलाई को कॉलेज के हिन्दी विभाग द्वारा हिन्दी साहित्य के प्रसिद्ध साहित्यकार कालजयी कथाकार मुंशी प्रेमचंद की जयंती पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय जैन के द्वारा अतिथियों को प्रेमचंद की पुस्तकें भेंट की गईं। तत्पश्चात प्राचार्य ने अपने उद्बोधन में कहा कि मुंशी प्रेमचंद की कहानियाँ हमें मनुष्य बनाती हैं। हम सभी उन रचनाओं से सच्चाई, प्रेम, अपनापन और कर्त्तव्य की भावनाओं को आत्मसात कर सकते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित बी. एस. एस. कॉलेज से आईं हिन्दी की प्राध्यापक डॉ. रीता राज ने हिन्दी विभाग की सराहना करते हुए कहा कि साहित्यकारों का पुनीत स्मरण हमें उनके ' रचनात्मक अवदान' को जानने का अवसर देता है। ठाकुर का कुआं, शतरंज के खिलाड़ी, कफन, नमक का दारोगा और बूढ़ी काकी कहानियाँ हमें जीवन और मानवीय भावनाओं से जोड़ती हैं। हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. सुषमा जादौन ने कहा कि मुंशी प्रेमचंद आज भी 'कथा सम्राट'हैं। कलम का सिपाही' कहते ही उनका स्मरण हो आता है। महाविद्यालय के साहित्यिक क्लब - स्वरचित साहित्य मंच की यह पहली मासिक गोष्ठी थी। समर्पण के अन्तर्गत श्रीया विश्वकर्मा, प्राची विश्वकर्मा, स्नेहा कुशवाह, मुस्कान, अभिषेक, शशि वंशकार ने हिन्दी विभाग की वार्षिक गतिविधियों, साहित्य क्लब की प्रशंसा करते हुए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. इलारानी श्रीवास्तव, समाजशा. की विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना शर्मा और वनस्पति शास्त्र की विभागाध्यक्ष डॉ. अनुराधा दुबे एवं डॉ.एस.बी.सिंह ने अतिथियों को नव पल्लवित तुलसी के पौधे देकर सम्मानित किया।

अर्पिता स्मृति फाउंडेशन द्वारा महाविद्यालय के कला संकाय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करनेवाली छात्रा श्रीया विश्वकर्मा को 2100 रुपए की नगद राशि देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को पेन देकर पुरस्कृत किया गया।

साहित्यकार श्री विनोद जैन ने कहा कि हर व्यक्ति की जीवनी स्वयं एक कहानी है। हमारे हर निर्णय के पीछे कोई न कोई कहानी अवश्य होती है। प्रेमचंद एक ऐसा ही व्यक्तित्व है जिनका जीवन एक बड़ी कहानी है।

कार्यक्रम का संचालन डॉ.कमलेश सिंह नेगी ने और आभार प्रदर्शन डॉ. निर्मला शुक्ला द्वारा किया गया |

समाचार पत्रों से

5.7.2025

भोपाल के बाबूलाल गौर महाविद्यालय में दीक्षारंभ संपन्न

विज्ञान संकाय के प्राध्यापकों द्वारा उन्हें विद्यार्थियों को लैब का भ्रमण करवाया गया एवं महाविद्यालय में कंप्यूटर लैब, स्मार्टक्लास और उपलब्ध डिजिटल संसाधनों का अवलोकन करवाया गया। गणित विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना जैन, अर्थशास्त्र विभाग की प्रो. डॉ. समता जैन ने अपने विभाग के सदस्यों का परिचय दिया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. गीता चौहान, डॉ. समता जैन द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना जानकारी दी गयी। अंत में कार्यक्रम संयोजक डॉ. चारूलता राठौड़ द्वारा सभी शिक्षकों को धन्यवाद दिया गया।

स्वदेश ज्योति

भेल कॉलेज में तीन दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम का समापन

विद्यार्थियों को ड्रेस में आना और परिचय पत्र लाना अनिवार्य: संजय जैन

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

आवेदन फार्म भरने की जानकारी पोर्टल पर ऑनलाइन

बाबूलाल गौर शास. महाविद्यालय भेल भोपाल में तीन दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम का समापन उद्देश्य पूर्ण ढंग से हुआ सर्वप्रथम प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने सभी नवागत विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उनके आने वाले भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं एवं महाविद्यालय में उपलब्ध आधारभूत व्यवस्थाओं की जानकारी देते हुए इस सत्र से प्रारंभ एईडीपी पाठ्यक्रम बीए टूरिज्म एंड होटल आपरेशनस की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस पाठ्यक्रम में तृतीय वर्ष में न्यूनतम 8000 रु प्रतिमाह स्टायफंड का प्रावधान है। कार्यक्रम संयोजक डॉ.चारूलता राठौड़ द्वारा नवागत विद्यार्थियों को विभिन्न प्राध्यापकों के माध्यम से महत्वपूर्ण जानकारियां दीं । प्रशासनिक अधिकारी डॉ. अंजना अग्रवाल ने महाविद्यालय में लागू ड्रेस कोड और परिचय पत्र की अनिवार्यता के बारे में बताया। वाणिज्य, कला एवं विज्ञान के नव प्रवेशित विद्यार्थियों ने अपना परिचय दिया एवं अपनी अपनी रूचि के बारे में जानकारी दी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों पर चर्चा कर विद्यार्थियों को अध्ययन के विभिन्न उपलब्ध विकल्पों की जानकारी दी। स्पोर्ट्स की प्रभारी प्रो. शालिनी तिवारी ने विद्यार्थी के लिए खेल की आवश्यकता पर बल दिया। एनसीसी प्रभारी डॉ. वर्षा चौहान ने अनुशासन, संयम और धैर्य के साथ, देश प्रेम की चर्चा की एवं एनसीसी की प्रवेश प्रक्रिया के बारे में बताया। विज्ञान कला हिन्दी, अंग्रेजी, एवं वाणिज्य और समाज शास्त्र के विभागाध्यक्षों ने अपने अपने विषय और प्रश्न पत्रों के बारे में विस्तागर से बताया । डॉ. चारूलता राठौड़ ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए इन्टरनशिप के बारे में विस्तृत जानकारी दीं। डॉ. शीला कुमार ने मेजर, माइनर विषय के बारे में बताया ।

Bhopal Main Edition Edition
Jul 04, 2025 Page No. 4
Powered by: enelego.com

5.7.2025

भेल कॉलेज में ड्रेस और आईडी के बिना प्रवेश की अनुमति नहीं

संस्कार कार्यक्रम का समापन, दी दीक्षाएं

स्वदेश संवाददाता ■ भोपाल

भेल के स्व. बाबूलाल गौर पीजी कॉलेज में शुक्रवार को दीक्षारंभ का समापन हुआ। इस मौके पर प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने कहा कि कॉलेज में ड्रेस कोड लागू कर दिया गया है। हर्रक छात्र को ड्रेस में ही आना होगा। इसके साथ ही कॉलेज की आईडी अनिवार्य है। इसकी मानिटरिंग होती रहेगी। उन्होंने सभी नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं का स्वागत करते हुए कहा इस सत्र में प्रारंभ एईडीपी कोर्स के बारे में जानकारी दी।

प्राचार्य जैन तीन दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम का समापन अवसर पर संबोधित कर थे। इस मौके पर कार्यक्रम संयोजक डॉ. चारूलता राठौड़ ने नवागत विद्यार्थियों महाविद्यालय में अध्यापन किए जा रहे विषयों की जानकारियां दी। वहीं प्रशासनिक अधिकारी डॉ. अंजना अग्रवाल ने ड्रेस कोड और परिचय पत्र की अनिवार्यता के बारे में बताया। इस कार्यक्रम में स्पोर्ट्स की प्रभारी प्रो. शालिनी तिवारी, एनसीसी प्रभारी डॉ. वर्षा चौहान, डॉ. शीला कुमार, डॉ. दीक्षा चतुर्वेदी, गणित विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना जैन, प्रो. डॉ. समता जैन आदि ने अपने-अपने विभागों की गतिविधियों से अवगत कराया।

दीक्षारंभ के विद्यार्थियों के लिए प्रेरक रहा उदबोधन

भेल कॉलेज में उच्च शिक्षा में चरित्र निर्माण व समग्र विकास पर संगोष्ठी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारतीय दृष्टीकोण सदैव से विश्वकल्याण का रहा है। हमें समस्याओं पर चिंता करने की जगह, समाधान पर विचार करना चाहिए। कहो वही, जो कर सको। उक्त उदगार बुधवार को प्रांत संयोजक डॉ. भरत व्यास ने राजधानी स्थित बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महविद्यालय में व्यक्त किए। कॉलेज में शिक्षा, संस्कृति उत्थान न्यास की स्थापना दिवस के अवसर पर उच्च शिक्षा में चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व के समग्र विकास विषय पर आयोजित संगोष्ठी में मुख्यवक्ता के रूप न्यास के प्रांत संयोजक डॉ. भरत व्यास ने कहा कि भारतीय दृष्टिकोण सदैव से विश्व कल्याण और वसुधैव कुटुम्बकम का रहा है। हमें समस्याओं से चिंतित होने की जगह समाधान पर विचार करना चाहिए। पर्सनालिटी और व्यक्तित्व दोनों के भावार्थ में बहुत अंतर है। हमें एकाग्रता, मनोयोग, समर्पण, लगन और विवेक से अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए।

प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने किया स्वागत

संगोष्ठी की शुरुआत में प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने मुख्य वक्ता डॉ. भरत व्यास, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, मंत्री उच्च शिक्षा का शॉल-श्रीफल और पौधा भेंट कर स्वागत किया। संचालन डॉ. वर्षा चौहान ने किया। आभार प्रो. प्रीती जौहरी ने व्यक्त किया। कॉलेज में दीक्षारंभ के विद्यार्थियों के लिए यह उदबोधन प्रेरक रहा। व्यास की स्थापना दिवस पर महाविद्यालय परिसर में विकसित किए जा रहे विद्यावन में पौधरोपण भी किया गया।

भेल कॉलेज में दीक्षारंभ सम्पन्न, ड्रेस में आना और परिचयपत्र लाना अनिवार्य

5.7.2025

CAMPUS LIVE

एनसीसी ट्रेनिंग के साथ शुरू हुआ नया सत्र, स्टूडेंट्स में दिखा जोश

भारतीय दृष्टिकोण सदैव से विश्व कल्याण एवं वसुधैव कुटुम्बकम का रहा है : डॉ भरत व्यास

भेल शासकीय महाविद्यालय में उच्च शिक्षा में चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व के समग्र विकास विषयक संगोष्ठी हुई

समाचार पत्रों से

पत्रिका
3.7.2025

स्थापना दिवस पर संगोष्ठी आयोजित

भोपाल ZOOM रिपोर्टर

बाबूलाल गौर शासकीय कॉलेज भेल में शिक्षा, संस्कृति उत्थान न्यास की स्थापना दिवस अवसर उच्च शिक्षा में चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व के समग्र विकास विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। जिसमें मुख्यवक्ता के रूप न्यास के प्रांत संयोजक डा. भरत व्यास ने कहा कि भारतीय दृष्टिकोण सदैव से विश्व कल्याण और वसुधैव कुटुम्बकम का रहा हैं। हमें समस्याओं से चिंतित होने की जगह समाधान पर विचार करना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन डॉ.वर्षा चौहान तथा आभार प्रो.प्रीती जौहरी ने व्यक्त किया। महाविद्यालय परिसर में विकसित किए जा रहे विद्यावन में वृक्षारोपण भी किया गया।

स्वदेश ज्योति

हमें समाधान पर विचार करना चाहिए: डॉ. भरत व्यास

स्वदेश ज्योति संवाददाता,भोपाल

भेल कॉलेज में शिक्षा, संस्कृति उत्थान न्यास की स्थापना दिवस पर कार्यक्रम

भारतीय दृष्टीकोण सदैव से विश्वकल्याण का रहा है, हमें समस्याओं पर चिंता करने की जगह ,समाधान पर विचार करना चाहिए. कहो वही ,जो कर सको। उक्त उदगार प्रांत संयोजक डॉ.भरत व्यास ने बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महविद्यालय भेल भोपाल मे व्यक्त किए। बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महविद्यालय भेल भोपाल में शिक्षा, संस्कृति उत्थान न्यास की स्थापना दिवस के अवसर उच्च शिक्षा में चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व के समग्र विकास विषय पर आयोजित संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप न्यास के प्रांत संयोजक डॉ. भरत व्यास ने कहा कि भारतीय दृष्टिकोण सदैव से विश्व कल्याण और वसुधैव कुटुम्बकम का रहा है, हमें समस्याओं से चिंतित होने की जगह समाधान पर विचार करना चाहिए। पर्सनालिटी और व्यक्तित्व दोनों के भावार्थ मे बहुत अंतर है, हमें एकाग्रता ,मनोयोग,समर्पण, लगन और विवेक से अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए. अध्यात्मिक चेतना हमें दृढ बनाती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के निर्माण में शिक्षा, संस्कृति उत्थान न्यास की अहम भूमिका रही है। संगोष्ठी के प्रारंभ में प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने मुख्य वक्ता डॉ. भरत व्यास विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी उच्च शिक्षा मंत्री का शाल-श्रीफल और पौधा-गमला देकर स्वागत किया। कार्यक्रम संचालन डॉ. वर्षा चौहान ने किया तथा आभार प्रो. प्रीती जौहरी ने व्यक्त किया।

Bhopal Main Edition Edition
Jul 03, 2025 Page No. 4
Powered by: erelego.com

'समस्याओं पर चिंता करने की बजाय समाधान पर विचार करना चाहिए'

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में संगोष्ठी का आयोजन

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः भारतीय दृष्टिकोण सदैव से विश्वकल्याण का रहा है। हमें समस्याओं पर चिंता करने की बजाय समाधान पर विचार करना चाहिए। यह बात शिक्षा, संस्कृति उत्थान न्यास प्रांत संयोजक डा. भरत व्यास ने भेल स्थित बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महविद्यालय में आयोजित संगोष्ठी में कही। न्यास की स्थापना दिवस के अवसर पर "उच्च शिक्षा में चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व के समग्र विकास" विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई।

महविद्यालय में आयोजित संगोष्ठी में वक्तव्य देते डा. भरत व्यास। ● सौ: आयोजक

डा. व्यास ने कहा कि भारतीय दृष्टिकोण सदैव से विश्व कल्याण व वसुधैव कुटुंबकम का रहा है। हमें समस्याओं से चिंतित होने की जगह समाधान पर विचार करना चाहिए। 'पर्सनालिटी' और 'व्यक्तित्व' दोनों के भावार्थ मे बहुत अंतर है। हमें एकाग्रता, मनोयोग, समर्पण, लगन और विवेक से अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। अध्यात्मिक चेतना हमें दृढ़ बनाती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के निर्माण में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास की अहम भूमिका रही है। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में विकसित किए जा रहे विद्यावन में पौधरोपण भी किया गया। प्राचार्य डा. संजय जैन सहित महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

3.7.2025

दीक्षारंभ के विद्यार्थियों के लिए प्रेरक रहा उदबोधन

भेल कॉलेज में उच्च शिक्षा में चरित्र निर्माण व समग्र विकास पर संगोष्ठी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारतीय दृष्टीकोण सदैव से विश्वकल्याण का रहा है। हमें समस्याओं पर चिंता करने की जगह, समाधान पर विचार करना चाहिए। कहो वही, जो कर सको। उक्त उदगार बुधवार को प्रांत संयोजक डॉ. भरत व्यास ने राजधानी स्थित बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में व्यक्त किए। कॉलेज में शिक्षा, संस्कृति उत्थान न्यास की स्थापना दिवस के अवसर पर उच्च शिक्षा में चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व के समग्र विकास विषय पर आयोजित संगोष्ठी में मुख्यवक्ता के रूप न्यास के प्रांत संयोजक डॉ. भरत व्यास ने कहा कि भारतीय दृष्टिकोण सदैव से विश्व कल्याण और वसुधैव कुटुम्बकम का रहा है। हमें समस्याओं से चिंतित होने की जगह समाधान पर विचार करना चाहिए। पर्सनालिटी और व्यक्तित्व दोनों के भावार्थ में बहुत अंतर है। हमें एकाग्रता, मनोयोग, समर्पण, लगन और विवेक से अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए।

प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने किया स्वागत

संगोष्ठी की शुरुआत में प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने मुख्य वक्ता डॉ. भरत व्यास, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, मंत्री उच्च शिक्षा का शॉल-श्रीफल और पौधा भेंट कर स्वागत किया। संचालन डॉ. वर्षा चौहान ने किया। आभार प्रो. प्रीती जौहरी ने व्यक्त किया। कॉलेज में दीक्षारंभ के विद्यार्थियों के लिए यह उद्बोधन प्रेरक रहा। न्यास की स्थापना दिवस पर महाविद्यालय परिसर में विकसित किए जा रहे विद्यावन में पौधरोपण भी किया गया।

मेट्रो
भोपाल, शुक्रवार 4 जुलाई 2025 | 02

हमें समस्याओं से चिंतित होने की जगह समाधान पर विचार करना चाहिए : डा. व्यास

दैनिक राजधानी पॉवर, भेल भोपाल।

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोतर महाविद्यालय भेल में संगोष्ठी

भारतीय दृष्टीकोण सदैव से विश्वकल्याण का रहा है। हमें समस्याओं पर चिंता करने की जगह समाधान पर विचार करना चाहिए। कहो वही जो कर सको उक्त उदगार प्रांत संयोजक डा.भरत व्यास ने बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल में व्यक्त किए। बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल में शिक्षा, संस्कृति उत्थान न्यास की स्थापना दिवस अवसर रउच्च शिक्षा में चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व के समग्र विकासर विषय पर आयोजित संगोष्ठी मे मुख्य वक्ता के रूप न्यास के प्रांत संयोजक डा. भरत व्यास ने कहा कि भारतीय दृष्टिकोण सदैव से विश्व कल्याण और वसुधैव कुटुम्बकम का रहा है। हमें समस्याओं से चिंतित होने की जगह समाधान पर विचार करना चाहिए। 'पर्सनालिटी' और 'व्यक्तित्व' दोनों के भावार्थ मे बहुत अंतर है। हमें एकाग्रता, मनोयोग, समर्पण, लगन और विवेक से अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। अध्यात्मिक चेतना हमें दृढ बनाती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के निर्माण में शिक्षा, संस्कृति उत्थान न्यास की अहम भूमिका रही है। संगोष्ठी के प्रारंभ में प्राचार्य डॉ संजय जैन ने मुख्य वक्ता डा भरत व्यास विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी मंत्री उच्च शिक्षा का शाल,श्रीफल और पौधा-गमला से स्वागत किया। संचालन डा वर्षा चौहान ने किया तथा आभार प्रो प्रीती जौहरी ने व्यक्त किया।

राष्ट्रीय हिन्दी मेल
03/07/2025 पृष्ठ क्रमांक- 3 संस्करण- भोपाल प्रधान संपादक- विजय कुमार दास

हमें समस्याओं पर चिंता करने की जगह समाधान पर विचार करना चाहिए : डॉ.भरत व्यास

भोपाल। भारतीय दृष्टीकोण सदैव से विश्वकल्याण का रहा है। हमें समस्याओं पर चिंता करने की जगह, समाधान पर विचार करना चाहिए। कहो वही,जो कर सको उक्त उदगार प्रांत संयोजक डॉ.भरत व्यास ने बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल में व्यक्त किए। बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल में शिक्षा, संस्कृति उत्थान न्यास की स्थापना दिवस अवसर उच्च शिक्षा में चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व के समग्र विकास विषय पर आयोजित संगोष्ठी मे मुख्यवक्ता के रूप न्यास के प्रांत संयोजक डॉ. भरत व्यास ने कहा कि भारतीय दृष्टिकोण सदैव से विश्व कल्याण और वसुधैव कुटुम्बकम का रहा है। हमें समस्याओं से चिंतित होने की जगह समाधान पर विचार करना

चाहिए, पर्सनालिटी और व्यक्तित्व दोनों के भावार्थ मे बहुत अंतर है। हमें एकाग्रता, मनोयोग, समर्पण, लगन और विवेक से अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। अध्यात्मिक चेतना हमें दृढ़ बनाती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के निर्माण में शिक्षा, संस्कृति उत्थान न्यास की अहम भूमिका रही है। संगोष्ठी के प्रारंभ में प्राचार्य डॉ संजय जैन ने मुख्य वक्ता डा भरत व्यास विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी मंत्री उच्च शिक्षा का शाल, श्रीफल और पौधा-गमला से स्वागत किया .संचालन डॉ. वर्षा चौहान ने किया तथा आभार प्रो. प्रीती जौहरी ने व्यक्त किया, दीक्षारंभ के विद्यार्थियों के यह उदबोधन प्रेरक रहा.न्यास की स्थापना दिवस पर महाविद्यालय परिसर में विकसित किए जा रहे विद्यावन में वृक्षारोपण भी किया गया।

भारतीय दृष्टिकोण सदैव विश्व कल्याण का रहा : व्यास

बाबूलाल गौर महाविद्यालय में आयोजित हुई संगोष्ठी

भोपाल, 2 जुलाई. भारतीय दृष्टिकोण सदैव से विश्व कल्याण का रहा है .हमें समस्याओं पर चिंता करने की जगह, समाधान पर विचार करना चाहिए. उक्त उद्गार प्रांत संयोजक डा.भरत व्यास ने बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल मेंव्यक्त किए.

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल में शिक्षा, संस्कृति उत्थान न्यास के स्थापना दिवस पर उच्च शिक्षा में चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व के समग्र विकास विषय पर आयोजित संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में न्यास के प्रांत संयोजक डा. भरत व्यास ने कहा कि भारतीय दृष्टिकोण सदैव से विश्व कल्याण और वसुधैव कुटुम्बकम का रहा है. हमें समस्याओं से चिंतित होने की जगह समाधान पर विचार करना चाहिए, पर्सनालिटी और व्यक्तित्व दोनों के भावार्थ में बहुत अंतर है. हमें एकाग्रता ,मनोयोग, समर्पण, लगन और विवेक से अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए, आध्यात्मिक चेतना हमें दृढ़ बनाती है. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के निर्माण में शिक्षा, संस्कृति उत्थान न्यास की अहम भूमिका रही है. संगोष्ठी के प्रारंभ में प्राचार्य डॉ संजय जैन ने मुख्य वक्ता डॉ. व्यास विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी मंत्री उच्च शिक्षा का शाल,श्रीफल और पौधा- गमला से स्वागत किया .संचालन डा .वर्षा चौहान ने किया. आभार प्रो. प्रीती जौहरी ने व्यक्त किया. इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में विकसित किए जा रहे विद्यावन में वृक्षारोपण भी किया गया.

भारतीय दृष्टिकोण सदैव से विश्व कल्याण एवं वसुधैव कुटुम्बकम का रहा है : डॉ भरत व्यास

भेल शासकीय महाविद्यालय में उच्च शिक्षा में चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व के समग्र विकास विषयक संगोष्ठी हुई

3.7.2025

हमें समस्याओं के समाधान पर विचार करना चाहिए

भेल शासकीय महाविद्यालय में संगोष्ठी आयोजित

स्वदेश संवाददाता ■ भोपाल

भारतीय दृष्टिकोण सदैव से विश्वकल्याण का रहा है। हमें समस्याओं पर चिंता करने की बजाय समाधान पर विचार करना चाहिए। कहो वही ,जो कर सको। यह बात शिक्षा, संस्कृति उत्थान न्यास प्रांत संयोजक डॉ भरत व्यास ने भोपाल के भेल स्थित बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित संगोष्ठी में कही।

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास की स्थापना दिवस के अवसर पर 'उच्च शिक्षा में चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व के समग्र विकास' विषय पर आयोजित संगोष्ठी मे मुख्य वक्ता के रूप न्यास के प्रांत संयोजक डा. भरत व्यास ने कहा कि भारतीय दृष्टिकोण सदैव से विश्व कल्याण एवं वसुधैव कुटुम्बकम का रहा है। हमें समस्याओं से चिंतित होने की जगह समाधान पर विचार करना चाहिए।

पत्रिका भोपाल 5.7.2025

बाबूलाल गौर कॉलेज में संगोष्ठी आयोजित

बरखेड़ा ZOOM रिपोर्टर

भारतीय दृष्टिकोट सदैव से विश्वकल्याण का रहा है। हमें समस्याओं पर चिंता करने की जगह समाधान पर विचार पर फोकस करना चाहिए। कहो वही जो कर सको, ये विचार प्रांत संयोजक डॉ. भरत व्यास ने बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महविद्यालय संगोष्ठी में व्यक्त किए। दरअसल, महविद्यालय में शिक्षा, संस्कृति उत्थान न्यास की स्थापना दिवस के अवसर उच्च शिक्षा में चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व के समग्र विकास विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा था। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में न्यास के प्रांत संयोजक डॉ. भरत व्यास शामिल हुए।

भेल कॉलेज में उच्च शिक्षा में चरित्र निर्माण पर संगोष्ठी आयोजित

4.7.2025

सीएनएन सेंट्रल न्यूज़ एंड नेटवर्क-आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस / आईटीडीसी न्यूज़ भोपाल - भारतीय दृष्टिकोण सदैव से विश्वकल्याण का रहा है। हमें समस्याओं पर चिंता करने की बजाय समाधान पर विचार करना चाहिए। कहो वही, जो कर सको। यह बात शिक्षा, संस्कृति उत्थान न्यास प्रांत संयोजक भरत व्यास ने भोपाल के भेल स्थित बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित संगोष्ठी में कही। बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास की स्थापना दिवस के अवसर पर ÷उच्च

शिक्षा में चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व के समग्र विकास÷ विषय पर आयोजित संगोष्ठी मे मुख्य वक्ता के रूप न्यास के प्रांत संयोजक भरत व्यास ने कहा कि भारतीय दृष्टिकोण सदैव से विश्व कल्याण एवं वसुधैव कुटुम्बकम का रहा है। हमें समस्याओं से चिंतित होने की जगह समाधान पर विचार करना चाहिए। %पर्सनालिटी% और %व्यक्तित्व% दोनो के भावार्थ मे बहुत अंतर है। हमें एकाग्रता, मनोयोग, समर्पण, लगन और विवेक से अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। अध्यात्मिक चेतना हमें दृढ़ बनाती है। डॉ व्यास ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के निर्माण में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास की अहम भूमिका रही है। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में विकसित किए जा रहे विद्यावन में पौधरोपण भी किया गया। प्राचार्य डॉ संजय जैन सहित महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

भेल कॉलेज में उच्च शिक्षा में चरित्र निर्माण पर संगोष्ठी आयोजित

4.7.2025

सीएनएन सेंट्रल न्यूज़ एंड नेटवर्क-आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस / आईटीडीसी न्यूज़ भोपाल - भारतीय दृष्टिकोण सदैव से विश्वकल्याण का रहा है। हमें समस्याओं पर चिंता करने की बजाय समाधान पर विचार करना चाहिए। कहो वही, जो कर सको। यह बात शिक्षा, संस्कृति उत्थान न्यास प्रांत संयोजक भरत व्यास ने भोपाल के भेल स्थित बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित संगोष्ठी में कही। बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास की स्थापना दिवस के अवसर पर ÷उच्च

शिक्षा में चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व के समग्र विकास÷ विषय पर आयोजित संगोष्ठी मे मुख्य वक्ता के रूप न्यास के प्रांत संयोजक भरत व्यास ने कहा कि भारतीय दृष्टिकोण सदैव से विश्व कल्याण एवं वसुधैव कुटुम्बकम का रहा है। हमें समस्याओं से चिंतित होने की जगह समाधान पर विचार करना चाहिए। %पर्सनालिटी% और %व्यक्तित्व% दोनो के भावार्थ मे बहुत अंतर है। हमें एकाग्रता, मनोयोग, समर्पण, लगन और विवेक से अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। अध्यात्मिक चेतना हमें दृढ़ बनाती है। डॉ व्यास ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के निर्माण में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास की अहम भूमिका रही है। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में विकसित किए जा रहे विद्यावन में पौधरोपण भी किया गया। प्राचार्य डॉ संजय जैन सहित महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

समाचार पत्रों से

सबसे पहला गुरु मां होती है गुरु सानिध्य पारसमणि के रूप में होता है, इस संसार में मनुष्य से श्रेष्ठ कोई प्राणी नहीं है: डॉ. रोहताश्व शर्मा

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल में गुरुओं का किया सम्मान

भोपाल, लोकल एक्सप्रेस

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल में गुरुपूर्णिमा अवसर पर मनुष्य जीवन मे गुरू महिमा विषय पर प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय चंद्रशेखर आजाद पीजी महाविद्यालय सीहोर के प्राचार्य डॉ. रोहताश्व शर्मा ने मुख्य वक्ता के रुप में कहा कि मनुष्य का सबसे पहला गुरू मां होती है, वह जीवन भर हमें देती रहती हैं, इनके समर्पण भाव को अंगीकार करना चाहिए।

संसार मे मनुष्य से श्रेष्ठ कोई प्राणी नहीं है। जैसा हम सोचते हैं वैसे ही बन जाते हैं इसलिए सदैव हमे गुरु की आवश्यकता रहती है। महर्षि व्यास का जन्मदिन गुरुपूर्णिमा के रुप में मनाया जाता हैं, उनके पुराण में भारतीय चरित्र को आत्मसात किया है जो भारत में होता है वो महाभारत में है। सही समय पर सही निर्णय लेने में भी गुरु मार्गदर्शन की आवश्यकता होती हो।

गुरू का सानिध्य पारसमणि के रूप में होता है। अपने गुरू से हमेशा अपना शिष्य धर्म निभाना चाहिए, वहीं से हमारे कल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है.आपने दधीचि, तुलसीदास, अहिल्यबाई, सिकंदर, टालस्टाय, सुकरात, तात्याटोपे, विवेकानंद, भगत सिंह, लतामंगेशकर जैसे व्यक्तित्वों के माध्यम से गुरू महिमा पर प्रकाश डाला। समारोह के प्रारंभ में प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने शाल, श्रीफल और पुष्पगुच्छ से मुख्यवक्ता एवं अतिथि डॉ. रोहताश्व शर्मा का स्वागत करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि गुरू हमेशा सभी के लिए समभाव से ज्ञान देता है लेकिन सच्चे शिष्य को सफलता शीघ्र मिलती है। रमाकांत तिवारी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा भगवान राम भी विपरीत परिस्थियों में अपने गुरू विश्वामित्र का स्मरण कर निर्णय लेते थे और सफलता पाते थे सीता स्वयंवर इसका साक्षात उदाहरण है।

गुरुजनों का किया सम्मान

इस अवसर पर उपस्थित समस्त गुरुजनों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम संचालन भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ संयोजक डॉ. समता जैन ने तथा आभार श्रेया विश्वकर्मा ने व्यक्त किया। कार्यक्रम डॉ. शीला कुमार के संयोजन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में पूर्वछात्र तेजसिंह ठाकुर, करतार सिंह नागर, मंजू यादव सहित रितिका ठाकुर, खुशी नागर, तनिष्का तथा छात्र छात्राएं और समस्त शैक्षणिक एवं गैरशैक्षणिक स्टाफ उपस्थित रहा।

स्वदेश भोपाल 11.7.2025

मनुष्य का सबसे पहला गुरु 'मां'

भोपाल। बाबूलाल गौर शासकीय पीजी कॉलेज भेल में गुरुपूर्णिमा पर धूमधाम से मनाई गई। इस मौके पर मनुष्य जीवन में गुरू महिमा विषय पर शासकीय पीजी महाविद्यालय सीहोर के प्राचार्य डॉ रोहताश्व शर्मा ने अपने विचार रखे। उन्होंने कि मनुष्य का सबसे पहला गुरू मां होती है, वह जीवन भर हमें देती रहती है। इनके समर्पण भाव को अंगीकार करना चाहिए। दीप प्रज्जवलन के बाद प्राचार्य डा संजय जैन ने शाल, श्रीफल और पुष्पगुच्छ से अतिथियों का किया। कार्यक्रम का संचालन भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ संयोजक डा समता जैन ने तथा आभार श्रेया विश्वकर्मा ने व्यक्त किया।

संसार में मनुष्य से श्रेष्ठ कोई प्राणी नहीं है: डा.रोहताश्व शर्मा

भेल, भोपाल। बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर

महाविद्यालय भेल भोपाल में गुरु पूर्णिमा अवसर पर मनुष्य जीवन मे गुरू महिमा विषय पर प्रधानमंत्री कालेज आफ एक्सीलेंस शासकीय चंद्रशेखर आजाद पीजी महाविद्यालय सीहोर के प्राचार्य डॉ रोहताश्व शर्मा ने मुख्य वक्ता के रुप में कहा कि मनुष्य का सबसे पहला गुरू मां होती है,वह जीवन भर हमें देती रहती हैं,इनके समर्पण भाव को अंगीकार करना चाहिए. संसार मे मनुष्य से श्रेष्ठ कोई प्राणी नहीं है। जैसा हम सोचते हैं वैसे ही बन जातेहैं इसलिए सदैव हमे गुरू की आवश्यकता रहती है। महर्षि व्यास का जन्मदिन गुरुपूर्णिमा के रुप में मनाया जाता हैं,उनके पुराण में भारतीय चरित्र को आत्मसात किया है जो भारत मे होता है वो महाभारत में है.सही समय पर सही निर्णय लेने मे भी गुरू मार्गदर्शन की आवश्यकता होती हो .गुरू का सानिध्य पारसमणि के रूप में होता है .अपने गुरू से हमेशा अपना शिष्य धर्म निभाना चाहिए ,वहीं से हमारे कल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है.आपने दधीचि, तुलसीदास, अहिल्यबाई, सिकंदर, टालस्टाय, सुकरात,तात्याटोपे ,विवेकानंद,भगतसिंह ,लतामंगेशकर जैसे व्यक्तित्वों के माध्यम से गुरू महिमा पर प्रकाश डाला. समारोह के प्रारंभ में प्राचार्य डा संजय जैन ने शाल ,श्रीफल और पुष्पगुच्छ से मुख्यवक्ता एवं अतिथि डा. रोहताश्व शर्मा का स्वागत करते हुए अपने उदबोधन में कहा कि गुरू हमेशा सभी के लिये समभाव से ज्ञान देता है लेकिन सच्चे शिष्य को सफलता शीघ्र मिलती है. रमाकांत तिवारी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा भगवान राम भी विपरीत परिस्थियों मे अपने गुरू विश्वामित्र का स्मरण कर निर्णय लेते थे और सफलता पाते थे सीता स्वयंवर इसका साक्षात उदाहरण है. इस अवसर पर उपस्थित समस्त गुरूजनो का सम्मान किया गया. कार्यक्रम संचालन भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ संयोजक डा समता जैन ने तथा आभार श्रेया विश्वकर्मा ने व्यक्त किया। कार्यक्रम डा. शीला कुमार के संयोजन में आयोजित हुआ .कार्यक्रम में पूर्वछात्र तेज सिंह ठाकुर, करतार सिंह नागर, मंजू यादव सहित रितिका ठाकुर ,खुशी नागर,तनिष्का तथा छात्र छात्राएं और समस्त शैक्षणिक एवं गैरशैक्षणिक स्टाफ उपस्थित रहा।

12.7.2025

बाबूलाल गौर शासकीय कॉलेज में संगोष्ठी आयोजित

जिसको गुरु का सानिध्य मिले वह उसे समझे पारसमणि

पत्रिका ZOOM रिपोर्टर patrika.com

बरखेड़ा. संसार में मनुष्य से श्रेष्ठ कोई प्राणी नहीं है यह बात पीएम कॉलेज आफ एक्सीलेंस शासकीय चंद्रशेखर आजाद पीजी महाविद्यालय सीहोर के प्राचार्य डॉ रोहताश्र्व शर्मा ने बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित संगोष्ठी में कही। मनुष्य जीवन में गुरु महिमा विषय पर प्राचार्य डॉ शर्मा ने मुख्य वक्ता के रुप में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि मनुष्य का सबसे पहला गुरू मां होती है। महर्षि व्यास का जन्मदिन गुरुपूर्णिमा के रुप में मनाया जाता हैं,उनके पुराण में भारतीय चरित्र को आत्मसात किया है। सही समय पर सही निर्णय लेने में भी गुरु मार्गदर्शन की भूमिका होती है। कहा जाता है कि गुरु का सानिध्य पारसमणि के रूप में होता है। गुरु से हमेशा शिष्य धर्म निभाना चाहिए ,वहीं कल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है। दधीचि, तुलसीदास, अहिल्यबाई, सिकंदर, टालस्टॉय, सुकरात, तात्याटोपे, विवेकानंद, भगतसिंह ,लतामंगेशकर जैसे व्यक्तित्वों के माध्यम से गुरु महिमा पर प्रकाश डाला। प्राचार्य डॉ. संजय जैन स्वागत करते हुए उद्बोधन में गुरु के महत्व पर प्रकाश डाला।

कॉलेजों और शक्तिपीठ में व्याख्यान- पूजा

- आईईएचई: भारतीय शिक्षण मंडल के सहयोग से आयोजन, डॉ. प्रकाश सी. बरतूनिया मुख्य अतिथि रहे।
- बाबूलाल गौर कॉलेज: डॉ. रोहताश्व शर्मा ने गुरु की भूमिका पर उद्बोधन दिया। ▪ आरजीपीवी में अखंड धूनी स्थल पर गुरु पूजन और भंडारा। ▪ केन्द्रीय संस्कृत विवि मे ज्योतिष विभाग के अध्यक्ष प्रो. भारतभूषण मिश्र की उपस्थिति में व्यास पूजा हुई। ▪ चतुर्वेद पाठशाला कोलार में बटुकों का जनेऊ संस्कार के साथ उपनयन हुआ। पं. विष्णु राजोरिया ने वैदिक दीक्षा दी। ▪ गायत्री शक्तिपीठ एमपी नगर में आचार्य श्रीराम शर्मा का पूजन हुआ, 200 शिष्यों को दीक्षा दी गई।
- ब्रह्माकुमारी सुख शांति भवन बीके नीता के सान्निध्य में गुरु पूजा। सिंधी कम्युनिटी हॉल में गुरुजनों को शाल, श्रीफल, रुद्राक्ष माला और शिवपुराण भेंट किए गए। भाजपा जिलाध्यक्ष रविंद्र यति सहित कई महंत और गुरुजन मौजूद रहे।

गुरुपूर्णिमा पर 'गुरू महिमा' विषयक व्याख्यान आयोजित

11.7.2025

सीएनएन सेंट्रल न्यूज़ एंड नेटवर्क-आईटीडीसी इंडिया प्रेस : आईटीडीसी न्यूज़ भोपाल : बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल में गुरुपूर्णिमा अवसर परमनुष्य जीवन में गुरू महिमाविषय पर प्रधानमंत्री कालेज आफ एक्सीलेंस शासकीय चंद्रशेखर आजाद पीजी महाविद्यालय सीहोर के प्राचार्य डॉ रोहताश्व शर्मा ने मुख्य वक्ता के रुप में कहा कि मनुष्य का सबसे पहला गुरू मां होती है,वह जीवन भर हमें देती रहती हैं,इनके समर्पण भाव को अंगीकार करना चाहिए, संसार मे मनुष्य से श्रेष्ठ कोई प्राणी नहीं है ; जैसा हम सोचते हैं वैसे ही बन जातेहैं इसलिए सदैव हमे गुरू की आवश्यकता रहती है.महर्षि व्यास का जन्मदिन गुरुपूर्णिमा के रुप में मनाया जाता हैं,उनके पुराण में भारतीय चरित्र को आत्मसात किया है जो भारत मे होता है वो महाभारत में है.सही समय पर सही निर्णय लेने मे भी गुरू मार्गदर्शन की आवश्यकता होती हो गुरू का सानिध्य पारसमणि के रूप में होता है .अपने गुरू से हमेशा अपना शिष्य धर्म निभाना चाहिए ,वहीं से हमारे कल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है.आपने दधीचि, तुलसीदास, अहिल्यबाई,सिकंदर,टालस्टाय,सुकरात,तात्याटोपे ,विवेकानंद,भगतसिंह ,लतामंगेशकर जैसे व्यक्तित्वों के माध्यम से गुरू महिमा पर प्रकाश डाला. समारोह के प्रारंभ में प्राचार्य संजय जैन ने शाल ,श्रीफल और पुष्पगुच्छ से मुख्यवक्ता एवं अतिथि रोहताश्व शर्मा का स्वागत करते हुए अपने उदबोधन में कहा कि गुरू हमेशा सभी के लिये समभाव से ज्ञान देता है लेकिन सच्चे शिष्य को सफलता शीघ्र मिलती है. रमाकांत तिवारी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा भगवान राम भी विपरीत परिस्थियों मे अपने गुरू विश्वामित्र का स्मरण कर निर्णय लेते थे और सफलता पाते थे सीता स्वयंवर इसका साक्षात उदाहरण है. इस अवसर पर उपस्थित समस्त गुरूजनो का सम्मान किया गया. कार्यक्रम संचालन भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ संयोजक डा समता जैन ने तथा आभार श्रेया विश्वकर्मा ने व्यक्त किया .कार्यक्रम शीला कुमार के संयोजन में आयोजित हुआ .कार्यक्रम में पूर्वछात्र तेजसिंह ठाकुर, करतार सिंह नागर मंजू यादव सहित रितिका ठाकुर ,खुशी नागर ,तनिष्का तथा छात्र छात्राएं और समस्त शैक्षणिक एवं गैरशैक्षणिक स्टाफ उपस्थित रहे।

संसार में मनुष्य से श्रेष्ठ कोई प्राणी नहीं है: डॉ. शर्मा

▶ भेल कॉलेज में गुरुओं का किया पूर्व छात्रों ने सम्मान

भोपाल. बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल में गुरुपूर्णिमा के अवसर पर 'मनुष्य जीवन में गुरू महिमा' विषय पर पीजी कॉलेज सीहोर के प्राचार्य डॉ रोहताश्व शर्मा ने कहा कि मनुष्य का सबसे पहला गुरू मां होती है.

इनके समर्पण भाव को अंगीकार करना चाहिए, संसार में मनुष्य से श्रेष्ठ कोई प्राणी नहीं है. जैसा हम सोचते हैं, वैसे ही बन जाते हैं. इसलिए सदैव हमें गुरू की आवश्यकता रहती है. सही समय पर सही निर्णय लेने में भी गुरू मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है. रमाकांत तिवारी ने कहा कि भगवान राम भी विपरीत परिस्थियों में अपने गुरू विश्वामित्र का स्मरण कर निर्णय लेते थे और सफलता पाते थे.

गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर श्री गुरवे नमः के साथ बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल के पूर्व छात्रों ने अपने गुरु प्राचार्य डॉ संजय जैन का शाल श्रीफल फूलमाला पहनाकर सम्मानित कर आशीर्वाद लिया. इस अवसर पर गुरूजनों का सम्मान किया गया. कार्यक्रम संचालन डॉ. समता जैन तथा आभार श्रेया विश्वकर्मा ने व्यक्त किया. कार्यक्रम में पूर्व छात्र तेजसिंह ठाकुर, करतार सिंह नागर, मंजू यादव, रितिका ठाकुर, खुशी नागर, तनिष्का तथा छात्र-छात्राएं और समस्त स्टाफ उपस्थित रहा.

भेल कॉलेज में गुरुओं का पूर्व छात्रों के समूह ने किया सम्मान

बरखेड़ा. भेल इलाके के बरखेड़ा पर स्थित बाबूलाल गौर महाविद्यालय में गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर श्री गुरुवे नमः के साथ पूर्व छात्रों ने गुरु प्राचार्य डॉ. संजय जैन का शॉल-श्रीफल, फूलमाला पहनाकर पुष्प गुच्छ से सम्मानित किया और गुरु से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि महाविद्यालय के पूर्व छात्रों ने गुरुओं का सम्मान करते हुए गुरु शिष्य की परंपरा को जीवित रखा है, सच्चा शिष्य वही है जो अपने माता-पिता के साथ गुरुओं का भी सम्मान करें और उनके बताए हुए मार्ग पर चलते हुए अपनी मंजिल की ओर अनवरत बढ़ता रहे। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर मुख्य रूप से पूर्व छात्र एवं जन भागीदारी सदस्य तेज सिंह ठाकुर, करतार सिंह नगर, पूर्व छात्र संघ संयुक्त सचिव मंजु यादव, रितिका ठाकुर, तनिष्क, खुशी आदि उपस्थित रहे।

स्वदेश ज्योति

गुरु सानिध्य पारसमणि के रूप में होता है: डॉ. शर्मा

स्वदेश ज्योति संवाददाता,भोपाल

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल में गुरुपूर्णिमा अवसर पर मनुष्य जीवन में गुरू महिमा विषय पर प्रधानमंत्री कालेज आफ एक्सीलेंस शासकीय चंद्रशेखर आजाद पीजी महाविद्यालय सीहोर के प्राचार्य डॉ. रोहताश्व शर्मा ने मुख्य वक्ता के रुप में कहा कि मनुष्य का सबसे पहला गुरू मां होती है,वह जीवन भर हमें देती रहती हैं, इनके समर्पण भाव को अंगीकार करना चाहिए। संसार मे मनुष्य से श्रेष्ठ कोई प्राणी नहीं है, जैसा हम सोचते हैं वैसे ही बन जाते हैं इसलिए सदैव हमे गुरू की आवश्यकता रहती है। महर्षि व्यास का जन्मदिन गुरुपूर्णिमा के रुप में मनाया जाता हैं, उनके पुराण में भारतीय चरित्र को आत्मसात किया है जो भारत मे होता है वो महाभारत में है.सही समय पर सही निर्णय लेने मे भी गुरू मार्गदर्शन की आवश्यकता होती हो ,गुरू का सानिध्य पारसमणि के रूप में होता है। आपने दधीचि, तुलसीदास, अहिल्यबाई, सिकंदर, टालस्टाय, सुकरात, ता त्या टो पे ,विवेकानंद,भगतसिंह ,लता मंगेशकर जैसे व्यक्तित्वों के माध्यम से गुरू महिमा पर प्रकाश डाला। समारोह के प्रारंभ में प्राचार्य डा संजय जैन ने शाल ,श्रीफल और पुष्पगुच्छ से मुख्यवक्ता एवं अतिथि डा. रोहताश्व शर्मा का स्वागत करते हुए अपने उदबोधन में कहा कि गुरू हमेशा सभी के लिये समभाव से ज्ञान देता है लेकिन सच्चे शिष्य को सफलता शीघ्र मिलती है।

भेल महाविद्यालय में गुरुपूर्णिमा पर कार्यक्रम का आयोजन

Bhopal Main-Edition Edition
Jul 11, 2025 Page No. 4
Powered by: erelego.com

स्वदेश ज्योति

भेल कॉलेज में गुरुओं का पूर्व छात्रों ने किया सम्मान

स्वदेश ज्योति संवाददाता,भोपाल

गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर श्री गुरुवे नमः के साथ बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल के पूर्व छात्रों ने अपने गुरु प्राचार्य डॉ संजय जैन सर का शाल श्रीफल, पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित कर गुरु से आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ संजय जैन ने प्रशंसा व्यक्त करते हुए खुशी जाहिर की की महाविद्यालय के पूर्व छात्र गुरुओं का सम्मान करने के लिए महाविद्यालय पधारे यह गुरु शिष्य की परंपरा को जीवित रखे हुए हैं, सच्चा शिष्य विद्यार्थी वही है जो अपने माता-पिता के साथ गुरुओं का सम्मान करें और उनके बताए हुए मार्ग पर चलते हुए अपनी मंजिल की ओर बढ़ता रहे। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर मुख्य रूप से पूर्व छात्र एवं जन भागीदारी सदस्य तेज सिंह ठाकुर, करतार सिंह नगर, पूर्व छात्र संघ संयुक्त सचिव मंजू यादव, रितिका ठाकुर, तनिष्क एवं खुशी नगर आदि उपस्थित थे।

Bhopal Main-Edition Edition
Jul 11, 2025 Page No. 4
Powered by: erelego.com

समाचार पत्रों से

कॉलेज प्रबंधन के संज्ञान में आने पर प्राचार्य डॉ. जैन ने किया सम्मान

बेटी हो तो ऐसीः पिता का नशा छुड़वाने कई-कई दिन रही भूखी, अब ब्रांड एंबेसडर

खास बातें
- कॉलेज में नशामुक्ति पर आयोजित संगोष्ठी में कॉलेज ने बना दिया ब्रांड एंबेसडर

प्रेरक खबर

अनशन किया तो पिता ने बंद किया खाना

पैसे से ट्रक ड्राइवर रितिका के पिता शराब, सिगरेट और गुटखा के आदी रहे

पापा की परी कहावत को चरितार्थ करती बिटिया रितिका

पिता का नशा छुड़वाने में ट्रक ड्राइवर की बेटी को मिली सफलता

प्रार्चार्य ने रितिका को किया सम्मानित

19.7.2025

रितिका बनीं 'पापा की परी' नशामुक्ति में निभाई बेटी की प्रेरणादायक भूमिका

स्वदेश ज्योति

अब बनी भेल कॉलेज नशामुक्ति की ब्रांड एम्बेसेडर

ट्रक डाइवर की बेटी ने पिता को दिलाई नशे की लत से राहत

राष्ट्रीय हिन्दी मेल

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 मोदी की अभिनव पहल : अहिरवार

बाबूलाल गौर महाविद्यालय में राज्य स्तरीय संगोष्ठी सम्पन्न

स्वदेश ज्योति

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अभिनव पहल: अहिरवार

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल में राज्य स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन

27.7.2025

करगिल विजय दिवस पर शहीद जवानों का स्मरण कर किया वृक्षारोपण

एक पेड़ शहीदों के नाम का आयोजन

पत्रिका ZOOM रिपोर्टर patrika.com

बरखेड़ा. वर्ष 1999 में भारत द्वारा कारगिल युद्ध में प्राप्त ऐतिहासिक विजय की याद में बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय की एनसीसी इकाई द्वारा विजय दिवस की स्मृति में एक प्रेरणास्पद कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. संजय जैन, एनसीसी अधिकारी डॉ. वर्षा चौहान के मार्गदर्शन में पौधारोपण, कविता पाठ, भाषण एवं देशभक्ति गीतों के माध्यम से कारगिल के शूरवीरों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का शुभारंभ शहीद जवानों को पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात कैडेट मुकेश अहिरवार ने कविता पाठ एवं कैडेट वैशाली तिवारी द्वारा भाषण दिया गया। साथ ही महाविद्यालय परिसर में प्रकृति एवं राष्ट्र की सेवा का संकल्प लें एनसीसी कैडेटस एवं प्राध्यापकों द्वारा 'एक पेड़ शहीदों के नाम' के अंतर्गत वृक्षारोपण किया गया कार्यक्रम का संचालन कैडेट मुकेश अहिरवार एवं रितिका ठाकुर के द्वार किया गया।

बाबूलाल गौर पीजी कॉलेज में राष्ट्र प्रेम का दिया संदेश

बाबूलाल गौर पीजी कॉलेज, भेल की एनसीसी इकाई द्वारा भी कारगिल विजय दिवस पर प्रेरणास्पद कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्राचार्य डॉ. संजय जैन एवं एनसीसी अधिकारी डॉ. वर्षा चौहान के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत पुष्पांजलि से हुई, जिसके बाद कैडेट मुकेश अहिरवार ने कविता पाठ और कैडेट वैशाली तिवारी ने देशभक्ति पर भाषण प्रस्तुत किया। एनसीसी कैडेट्स और प्रोफेसरों ने 'एक पेड़ शहीदों के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण किया और राष्ट्र व पर्यावरण की सेवा का संकल्प लिया। इस अवसर ने राष्ट्रप्रेम और प्रकृति संरक्षण के प्रति जन जागरण का संदेश भी दिया।

कारखाने का सफर | राजधानी | भोपाल, शुक्रवार 1 अगस्त, 2025 | 3

बाबूलाल गौर शासकीय महाविद्यालय में मुंशी प्रेमचंद जयंती का आयोजन संपन्न

मुंशी प्रेमचंद का कथा साहित्य आज भी प्रासंगिक है- घनश्याम मैथिल

बाबूलाल गौर महाविद्यालय ने मनाई प्रेमचंद जयंती

आज भी प्रासंगिक प्रेमचंद का साहित्य

भोपाल. मुंशी प्रेमचंद हिन्दी साहित्य के ऐसे कथाकार हैं, जिन्होंने अपनी सरल भाषा शैली, जीवन से जुड़ी कहानियां और पाठकीय संवेदना को जीते हुए साहित्य-रचना की, इसलिए वे आज भी प्रासंगिक हैं। यह बात साहित्यकार घनश्याम मैथिल अमृत ने बाबूलाल गौर शासकीय महाविद्यालय भेल कॉलेज में कही। कार्यक्रम था कॉलेज के हिंदी विभाग द्वारा मुंशी प्रेमचंद जयंती पर आयोजित संगोष्ठी का। कार्यक्रम का संचालन डॉ.कमलेश सिंह नेगी और आभार प्रदर्शन डॉ. निर्मला शुक्ला ने किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने अतिथियों को प्रेमचंद की पुस्तकें भेंट की गई। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि मुंशी प्रेमचंद की कहानियां हमें मनुष्य बनाती हैं।

मुंशी प्रेमचंद का कथा साहित्य आज भी प्रासंगिक: मैथिल

भोपाल। मुंशी प्रेमचंद हिंदी साहित्य के ऐसे कथाकार हैं, जिन्होंने अपनी सरल भाषा शैली, जीवन से जुड़ी कहानियां और पाठकीय संवेदना को जीते हुए साहित्य रचना की, इसलिए वे आज भी प्रासंगिक हैं। ये बात साहित्यकार घनश्याम मैथिल 'अमृत' ने कही। वे बाबूलाल गौर शासकीय कॉलेज, भेल में मुंशी प्रेमचंद जयंती पर आयोजित संगोष्ठी में बोल रहे थे। कॉलेज प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने कहा कि मुंशी प्रेमचंद की कहानियां हमें मनुष्य बनाती हैं। डॉ. रीता राज ने कहा कि साहित्यकारों का पुनीत स्मरण हमें उनके रचनात्मक अवदान को जानने का अवसर देता है।

मुंशी प्रेमचंद का कथा साहित्य आज भी प्रासंगिक है: घनश्याम मैथिल

बाबूलाल गौर शासकीय महाविद्यालय में संगोष्ठी

मुंशी प्रेमचंद हिंदी साहित्य के ऐसे कथाकार हैं, जो आज भी प्रासंगिक

स्टूडेंट कॉर्नर

नयी कलम से.....

अगर हौसलों में उड़ान है
अगर सीने में जान है
तो चाहे खुशियाँ वीरान है
पर सब आसान है।

आसान है उन मंजिलों तक पहुँचना
जिन्हें सोचते ही कलेजे काँप जाते हैं
आसान है वह भी बन पाना
जो हर कोई नहीं बन पाते हैं।

आसान है तुम करके तो देखो
मैदान ए जंग में उतर के तो देखो
देखो तो बस देखो ऊंचाइयों पर
सौगंध है तुम्हें कभी पलट के ना देखो।

अब जब निकल पड़े हो कफन बाँध कर
तो फिर क्या ही हो जाएगा ज्यादा सोच कर
करो यकीन तुम लहरा दोगे झंडा
जीत वाला हर की कब्र खोदकर।

हाँ मन मुश्किल समय है
लड़ने की ताकत भी तुम में है
सोचो नहीं अब कुछ करना है
तुम्हें कायरों की तरह नहीं मरना है।

तुम हिस्सा नहीं हो भीड़ का
आखिर यह भी तो साबित करना है।
पहाड़ खुद टूटेंगे चट्टानें बिखर जाएँगी पीठ दिखाकर
मंजिल तुमको कितनी ही दूर ले जा पाएगी।

जाएगी जहाँ भी जाना होगा
आखिर में इसे भी झुक जाना होगा
जब पाओगे अपनी मेहनत से
फिर देखना किस तरह मुस्कुराना होगा।

उठो करो हौसला देखो सब आसान है
जब साथ चलते भगवान है।
उठो करो हौसला देखो सब आसान।।

प्रियांशी पुरोहित
बी.कॉम. प्रथम वर्ष

प्रतिक्रियाएँ ई-मेल द्वारा प्राप्त

'तरंग' के जुलाई अंक के विशेष स्टूडेंट कॉर्नर को देखकर प्रसन्नता हुई। मुझे आशा है कि आगे भी हमें ऐसी रोचक और ज्ञानवर्धक जानकारियाँ मिलती रहेंगी।

सीता रजक
बी.ए. प्रथम वर्ष

तरंग स्टार

एनसीसी कैडेट कृष्णा लोट एवं रितिका राजपूत ने दिनांक- 17 जून से 25 जून 2025 तक अमरकंटक में आयोजित ट्रेकिंग कैंप में सहभागिता की। उक्त कैंप पहाड़ियों की खूबसूरत वादियों में आयोजित किया गया था। उक्त ट्रेकिंग कैंप में एनसीसी कैडेटस विभिन्न पहाड़ियों पर ट्रेकिंग के लिये गये और अद्भुत नजारों और प्राकृतिक सुंदरता को करीब से देखा। उक्त ट्रेकिंग कैंप रोमांचक एवं ज्ञानवर्धक रहा, ऐसे अनुभव एनसीसी कैडेट कृष्णा लोट एवं रितिका राजपूत द्वारा साझा किये गये। एनसीसी कैडेटस ने उक्त ट्रेकिंग कैंप में कई प्रसिध्द और आध्यात्मिक स्थलों की यात्रा की, जिनमें कबीर चबूतरा, नर्मदा और सोन नदियों का उद्गम स्थल, दूध धारा, कपिल धारा और दुर्गा धारा, कई प्राचीन मंदिर और बहती हुई नदियाँ व जलधाराएँ आदि स्थलों की यात्रा की।

एनसीसी कैडेट्स कृष्णा एवं रितिका द्वारा अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि यात्राओं ने उनके ज्ञान को बढ़ाया, साथ ही आत्मिक शांति और प्रकृति के प्रति गहरा सम्मान भी जागृत किया। उक्त कैंप ने उन्हें अनुशासन, साहस और टीमवर्क का पाठ पढ़ाया। पहाड़ों पर चढ़ना, कैंप जीवन में ढलना और प्रकृति के करीब रहना – इन सबने मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत बनाया।

सफलतापूर्वक कैंप पूरा करने पर महाविद्यालय के प्राचार्य एवं स्टाफ द्वारा एनसीसी कैडेट्स कृष्णा लोट एवं रितिका राजपूत को बधाई प्रेषित की गई।

कॉर्पोरल कृष्णा लोट
AITC-AMARKANTAK,
17 जून - 25 जून 2025

कॉर्पोरल रितिका राजपूत
AITC-AMARKANTAK
17 जून - 25 जून 2025

यह इस अंक के तरंग स्टार हैं।

विशेष स्टूडेंट कॉर्नर

Compulsory For All Regular Students

सभी नियमित विद्यार्थियों के लिये अनिवार्य

SMIS

Student MIS Portal

Registration Link- https://babulalgaurgpgcollegebhelbhopal.co.in/

Contact Person- Dr. Arun Sen, Mob. No. 9755365563, Mr. Rahul Vanshkar, Mob. No. 9399988690

FREE ONLINE EDUCATION

swayam

शिक्षित भारत, उन्नत भारत

Registration Link- https://swayam.gov.in

Contact Person- Dr. Varsha Chauhan, Mob. No. 7692972143

NICE 25

Registration Link- https://nice.crypticsingh.com/register

After Registration fill this Google form Link- https://forms.gle/QhXR6FjpDd7KPBzP9

Contact Person- Dr. R.K. Sharma, Mob. No. 7987826713

मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना

फ्री ट्रेनिंग के साथ-साथ

हर महीने

8 से 10 हजार रुपये दिए जाएंगे

Registration Link- www.mmsky.mp.gov.in

After Registration fill this Google Form Link- https://forms.gle/ypZtDdU6QNGwj95M7

Contact Person- Mrs. Pratibha Deharia, Mob. No. 9826062480, Coordinator SVCGC

ABC ID CARD

APAAR

ABC / APAAR ID

Registration Link- https://www.abc.gov.in

Contact Person- Dr. R.K. Sharma, Mob. No. 7987826713

सभी नियमित विद्यार्थियों को उपरोक्त में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

आगामी माह कार्यक्रम

- विश्व आदिवासी दिवस
- स्वतंत्रता दिवस

संपादक की पाती

माह- अगस्त 2025 का ' तरंग ' अंक आपके हाथों में है। यह अंक आपको कैसा लगा, हमें अवश्य बताएँ। आपकी टिप्पणी / सुझावों की हमें प्रतीक्षा रहेगी। विद्यार्थी अपनी रचनाएँ, सुझाव, प्रतिक्रिया और उपलब्धि 'स्टूडेंट कॉर्नर' के लिये tarangnews2024@gmail.com पर मेल कर सकते हैं।

सौजन्य ई-न्यूजलेटर समितिः-
डॉ. सुषमा जादौन (संयोजक)
डॉ. दीक्षा बरडे, डॉ. वर्षा चौहान
श्री संजय साहू (कम्प्यूटर वर्क)